

SHRI RAM SARAN VERMA

Shri Ram Saran Verma is a famous personality in the agriculture sector of India, who is known for growing 'Green Gold' in fields. Shri Verma is widely recognized for his astounding work in the field of high-tech farming.

2. Born in 1968, Shri Verma passed matriculation and started conventional farming of rice-wheat on his own 6 acres land in 1990. After getting a negligible return of only Rs. 20,000/-annually and being disappointed, he felt necessity of equipping himeself with innovative & advanced agricultural techniques and he visited farms of many progressive farmers, research centres, farmers' fairs of many states viz. Punjab, Haryana, Maharashtra, Gujarat and Uttar Pradesh and learnt skills of improved agricultural techniques.

3. Shri Verma diversified conventional agriculture being practized by him by adopting advanced techniques of horticulture and banana tissue culture carried by him in U.P. and now he is earning Rs. 8,75,000 per hectare from tissue cultured banana production and in tomato production earning Rs. 7,00,000 per hectare. Having encouraged by diversification, Sri Verma associated other farmers and encouraged them for diversifying farming. Presently, he is cultivating banana (tissue cultured), tomato (hybrids), potato & mentha on 100 acres of land on cooperative basis by adopting crop rotation in which about 25,000 landless farmers and agricultural labourers are getting employment annually.

4. Shri Verma made sincere efforts and today the tissue cultured banana cultivation has extended upto 80,000 hectare in the market of Uttar Pradesh. Better crop rotation, deep ploughing in summer, adequate drainage, timely sowing/ planting at proper distance, need based irrigation, proper weed management, implementation of agronomical practices through regular field visits and better marketing and proper storage of the produce are major success indicators of his hi-tech farming. Shri Verma shared his agriculture technique with Hon'ble President of India in a Seminar. Former Hon'ble Governors of U.P. in 2010 and in 2014 and 2017 visited his farm.

5. Shri Verma is the recipient of numerous awards and honors viz. Jagjivan Ram Kisan Puruskar by Government of India, Agriculture Leadership Award by Government of India, Chaudhary Charan Singh Kisan Samman by Department of Agriculture, U.P., Udyan Pandit Award by Department of Horticulture and Food Processing, U.P., Nav Anveshak Samman Puruskar by Department of Science and Technology, U.P., Udyan Ratna Award by Government of Uttarakhand, Adarsh Kisan ke Prateek Puruskar by Hon'ble Governor of Haryana, Best Farmer Award by Indian Society of Vegetable Science, Horticulture Development by Government of India etc. In 2014, INDIA TODAY published "Sahar ke log naukari ke liye mere gaon ate hai"& Hindustan Times published "Banana is real wealth of Daulatpur".

पद्म श्री



श्री रामसरन वर्मा

श्री रामसरन वर्मा भारत के कृषि क्षेत्र में एक जानी-मानी हस्ती हैं जो खेतों में ग्रीन गोल्ड उगाने के लिए जाने जाते हैं। हाई-टेक कृषि के क्षेत्र में शानदार कार्य के लिए आपको व्यापक पहचान मिली है।

2. आपका जन्म वर्ष 1968 में हुआ। आपने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की और वर्ष 1990 में अपने छः एकड़ भूमि में चावल-गेहूं की पारम्परिक खेती आरंभ की। खेती से प्रति वर्ष केवल 20,000/- रुपए की नाममात्र आय से निराश होकर आपने स्वयं को अभिनव और उन्नत कृषि तकनीकों से लैस करने की आवश्यकता महसूस की तथा कई राज्यों अर्थात् पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कई प्रगतिशील किसानों के खेतों, अनुसंधान केन्द्रों, किसान मेलों में गए तथा बेहतर कृषि तकनीकों का कौशल सीखा।

3. आपने उत्तर प्रदेश में बागवानी तथा केला टीसू कल्चर की उन्नत तकनीकों को अपनाकर अपनी पाम्परिक खेती को विविधतापूर्ण स्वरूप प्रदान किया तथा अब आप टीसू कल्चर से उत्पादन किए जा रहे केले से प्रति हेक्टेयर 8,75,000 रुपए तथा टमाटर उत्पादन में प्रति हेक्टेयर 7,00,000 रुपए अर्जित कर रहे हैं। विविधीकरण से प्रोत्साहित होकर आपने दूसरे किसानों को जोड़ा तथा उन्हें विविधीकरण कृषि से प्रोत्साहित किया। इस समय आप क्रॉप रोटेशन को अपनाकर सहकारी आधार पर एक सौ एकड़ भूमि में केले (टीसू कल्चर्ड), टमाटर (हाईब्रिड), आलू एवं मेंथा की खेती कर रहे हैं जिसमें लगभग 25000 भूमिहीन किसानों और कृषि श्रमिकों को प्रति वर्ष रोजगार मिल रहा है।

4. आपने निष्ठापूर्ण प्रयास किए और आज टीसू कल्चर्ड केले की खेती का विस्तार उत्तर प्रदेश के बाजार में 80,000 हेक्टेयर तक हो गया है। बेहतर क्रॉप रोटेशन, ग्रीष्मकाल में गहरी जुताई, पर्याप्त जल निकासी, समय पर बोआई/समुचित दूरी पर रोपाई, आवश्यकता आधारित सिंचाई, समुचित खर-पतवार प्रबंधन, नियमित रूप से खेत के दौरे तथा बेहतर विपणन के माध्यम से कृषि आर्थिकी पद्धतियों का कार्यान्वयन और पैदावार का समुचित भंडारण आपकी हाईटेक कृषि के प्रमुख सफलता सूचक हैं। आपने अपनी कृषि तकनीक को एक सेमिनार में भारत के माननीय राष्ट्रपति से साझा किया। उत्तर प्रदेश के माननीय पूर्व राज्यपालों ने वर्ष 2010, 2014 और 2017 में आपके खेत का दौरा किया।

5. आपको कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाज़ा गया है अर्थात् भारत सरकार द्वारा जगजीवन राम किसान पुरस्कार, भारत सरकार द्वारा कृषि नेतृत्व पुरस्कार, कृषि विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा चौधरी चरण सिंह किसान सम्मान, बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा उद्यान पंडित पुरस्कार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा नव-अन्वेषक सम्मान पुरस्कार, उत्तराखंड सरकार द्वारा उद्यान रत्न, हरियाणा के माननीय राज्यपाल द्वारा आदर्श किसान के प्रतीक पुरस्कार, इंडियन सोसायटी ऑफ वेजीटेबल साइंस, बागवानी विभाग, भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार आदि। वर्ष 2014 में इंडिया टुडे ने "शहर के लोग नौकरी के लिए मेरे गांव आते हैं" प्रकाशित किया तथा हिन्दुस्तान टाइम्स ने "बनाना इज रियल वेल्थ ऑफ दौलतपुर" प्रकाशित किया।